

ਚੌਥੇ ਸਮਾਂ ਵਿਖੀਏ ਕਾਲਜ ਫਾਈਨਾਂ

ਨਵੰਬਰ ਮਾਰਟ ਟਾਈਪਸ, ਮੁੱਲਾਕ, 25.11.2014

डीडीए करेगा लैंड पूलिंग, जनीन की पहचान पूरी

ਜੈਵ ਪ੍ਰਾਤਿ

अपनी जमीन को डाईए जो देंगे। बदले में डीडीए उस जमीन के बदले अपने हिसाब से उन डेवलपर्स को लें देगा। जहाँ रेजिस्ट्रेशन और यह कम्पनील कंसल्टेंट्सन किया जा सकता। इसके लिए शहर पह रखी गई है कि जो जमीन डीडीए को दी जाएगी वह कम से कम 5 एकड़ होनी चाहिए। इसके लिए दो कैटिंगरी रखी गई हैं। पहली में पांच एकड़ से लेकर 50 एकड़ तक और दूसरी कैटिंगरी में 50 एकड़ से ऊपर कियनी भी हो सकती है। जहाँ पर प्राइवेट डेवलपर्स की मदद से स्मार्ट सिटी बनाई जा सकती है।

डीडीए का कहना है कि डीडीए को दी जाने वाली यह जमीन किसी भी जीन में हो सकती है। यह बदले में जो जमीन डीडीए डेवलपर्स को देगा वह अपने नियम से

An aerial photograph showing a large, densely populated residential area. The buildings are mostly multi-story structures with light-colored facades and dark roofs. Interspersed among the buildings are patches of green trees and lawns. A few narrow roads or alleys are visible between the buildings.

An aerial photograph showing a large, densely populated residential area. The area is filled with numerous houses, mostly two-story buildings with grey roofs and light-colored walls. Interspersed among the houses are several larger, modern-looking apartment complexes with multiple towers and parking lots. There are also some green spaces, including parks and small gardens, scattered throughout the urban sprawl. The overall impression is one of a well-established, high-density residential neighborhood.

Narendra Pandey @ProfNKPandey

Lack of money & resources is blessing in disguise. It made #MufflerMan & his AAP army to come face to face with Delhi residents.

दिल्ली



स्मार्ट सिटी का मॉडल, हर चीज सिटी के अंदर

स्टेट में ग्रैन कॉन्सेट का भान रखा जाएगा। बाहर की दीवारों सफेद रंग की होगी जिससे एनर्जी कम से कम खर्च हो। पानी वे दोबारा इस्तेमाल और ऐन गॉटर हारवेस्टरों का इतजाम भी होगा।

स्टा का

सिटी बसाने का ज्ञान है। सिटी की सबसे बड़ी खासियत होंगे मैन रोड, जिसे 300 पुर्ट चाउ बनाया जाएगा। इस रोड की पूरी लंबाई के दोनों ओर 500-500 मीटर जगह लेते हुए पूरा कम्पशल हवा बनाया जाएगा। कम्पशल हवा में प्राइमरी स्कूल, सेकंडरी स्कूल, जॉनेस डिम्पसी, हॉम्पटल, एप्यूजन्स्ट सेटर, जिम, नैहर जैसे और थीकानो कामा जैसे जैसे लिजेन्स स्पॉट, पुलिस सेशन, फार लिंड ऑफिस, कम्पनी सेटर, ग्रीलडेज ग्रीम और रेस्टोरंट गिल रोजरमार्ट में काम आने वाले हुए सेटर होंगे। ऐटो और रोड ट्रांसपोर्ट का भी बेहतरीन तालमेत बैठना जाएगा। यह के बहुत स्ट्रीट लाइट से विजिबिलिटी का खास छाल रखा जाएगा, ताकि आपराधिक तर्तों को क्राइम करने से रोका जा सके।

स्मार्ट सिटी ग्रीन कॉम्प्लेक्स पर बिलिंगों में बाहर की दीवारों सफेद रंग की है, ताकि बिलिंगों की कम खपत हो। इस सिटी में पानी के इस्तेमाल

डीडीए के अधिकारियों ने बताया कि लैंड पूलिंग के तहत अग्र कोई एक साइर्ज या कई लोग मिलतकर पाव से 50 एकड़ जमीन डीडीए को भेजियेंगे ताकि युज के लिए देते हों तो इसमें से डीडीए 48 फीसदी लैंड वापस लैंड भालिकों को पर्सेट बनाने के लिए दे देया जाकी 52 फीसदी जमीन अपने पास रख लेगा। उस जमीन पर सड़क, पार्क और दूसरी मूलभूत सुविधाएं दी जाएंगी। जबकि 50 एकड़ से अधिक जमीन बाटी कैटिंगरी में डीडीए 60 फीसदी जमीन डेवलपर्स को वापस देगा और बाकी में दूसरी जरूरी सुविधाएं दी जाएंगी।

बदले में डीडीए उस जनीन के बदले में अपने हिसाब से उन डेवलपर्स को लैंड देता। जहाँ रेजिङ्युलेशन और यह कमशर्ती कंस्ट्रक्शन किया जा सकता। इसके लिए शर्त यह रखी गई है कि जो जनीन डीडीए को दी जाएगी वह कम से कम 5 एकड़ होनी चाहिए। इसके लिए दो कैटिग्री रखी गई हैं। पहली में पांच एकड़ से लेकर 50 एकड़ तक और दूसरी कैटिग्री में 50 एकड़ से ऊपर निती भी हो सकती है। जहाँ पर प्राइवेट डेवलपर्स की मदद से स्मार्ट सिटी बनाई जा सकती है।

डीडीए का कहना है कि डीडीए को दी जाने वाली यह जनीन किसी भी जीन में हो सकती है। यह बहते में जो जनीन डीडीए डेवलपर्स को देता है वह अपने हिसाब से देता। जहाँ हाउसिंग सोसायटी बनाई जा सकेंगी। डीडीए का यानना है कि इस गोलीसी से आगले 10 सालों में दिल्ली में 20 लाख पर्सेट बनाए जा सकेंगे। इससे दिल्ली में मकानों की कमी जी हितकर काफी हृद तक दूर हो जाएगी।

सिटी के अंदर काफी
ग्रीन परिया हुआ, जिससे
यहाँ रहने वाले लोगों की
सेहत दुर्भाग्य हो। स्ट्रीट-
लाइट्स और सिव्युरिटी
का खास ध्यान रखा
जाएगा। अगले 10 सालों
में 20 लाख भवान
बनाने का प्लान है।

An aerial photograph showing a large, densely populated residential area. The area is filled with numerous houses, mostly two-story structures with grey roofs. Interspersed among the houses are several larger, modern-looking apartment complexes with multiple towers and parking lots. There are also several green parks and open spaces with trees scattered throughout the urban sprawl. The overall scene depicts a typical Indian residential neighborhood.